Regarding need to declare Sonewani region in Balaghat in Madhya Pradesh as a Conservation Reserve-Laid

श्रीमती भारती पारधी (बालाघाट) : आज मैं सरकार का ध्यान मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में स्थित प्रस्तावित सोन्नेवानी कन्जर्वेशन रिजर्व की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ, जो जैव विविधता संरक्षण के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण क्षेत्र है । सोनेवानी क्षेत्र में लालबर्रा, वारासिवनी एवं कटंगी परिक्षेत्र सम्मिलित हैं, जो सघन मिश्रित वनों, ऊँचे पहाड़ों ओर घाटियों से युक्त हैं । यहाँ बारहमासी प्राकृतिक और कृत्रिम जलस्रोत उपलब्ध हैं, जो इसे वन्यजीवों के लिए सुरक्षित और अनुकूल आवास बनाते हैं । यह क्षेत्र कान्हा-पेंच वन्यजीव कॉरिडोर का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो बाघों सहित अनेक वन्यजीवों के सुरक्षित आवागमन के लिए आवश्यक है । वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 36A के अंतर्गत कन्जर्वेशन रिजर्व का उद्देश्य संरक्षित क्षेत्रों के बीच जैविक संपर्क बनाए रखना है । सोनेवानी में मानव आबादी कम और जैविक दबाव न्यूनतम है । शाकाहारी और मांसाहारी वन्यजीव यहाँ पर्याप्त संख्या में पाए जाते हैं । कन्जर्वेशन रिजर्व बनने पर स्थानीय जनता की लघु वनोपज संग्रहण सुविधाएँ यथावत रहेंगी । इसके साथ, इको टूरिज्म और संरक्षण गतिविधियाँ स्थानीय रोजगार बढ़ाएंगी और मानव-वन्यप्राणी द्वंद्व में कमी आएगी । अतः में माननीय मन्त्री जी से आग्रह करती हूँ कि सोनेवानी क्षेत्र को शीघ्र कन्जर्वेशन रिजर्व घोषित किया जाए ।